२. दो लघुकथाएँ
(पूरक पठन)

सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए :
(१) संजाल पूर्ण कीजिए:
उत्तर:
गरमी की विशेषताएँ
१) भीषणता
२) अंगारे - सी तपण
३) लू चलन
४) उमस होना

(२) उत्तर लिखिए:
मौसम ऐसा था
१) लिजलिजा
२) घुटन भरा

(३) कारण लिखिए :
१. युवक को पहले नौकरी न मिल सकी
उत्तर: युवक को पहले नौकरी न मिल सकी, क्योंकि हर जगह भ्रष्टाचार, रिश्वत का बोलबाला था।

२. आखिरकार अधिकारियों द्वारा युवक का चयन कर लिया गया
उत्तर : आखिरकार अधिकारियों द्वारा युवक का चयन कर लिया गया, क्योंकि भीतर बैठे अधिकारियों ने गंभीरता से विचार विमर्श करने के बाद युवक के सही उत्तर की दाद दी थी।

(४) कृति पूर्ण कीजिए:
लेखक के मन परिवर्तन के कारण
उत्तर: १) पहाड़ों पर घूमने में हजारों रुपये खर्च करना
२) अच्छे होटलों में रुकना
३) बड़ी दुकानों में दाम पूछे बिना खर्च करना
४) गरीब से दो रुपये के लिए झिक-झिक करना

(५) प्रवाह तालिका पूर्ण कीजिए :
उत्तर:

लोग रिश्वत देकर ये लाभ उठाते हैं
V
रुके हुए कार्य करवाना
V
दबी हुई फाइलें निकलवाना
V
टलती हुई पदोन्नति करवाना

V
रोकी गई नौकरी प्राप्त करना

'भ्रष्टाचार एक कलंक विषय पर अपने विचार लिखिए।'
उत्तर : भ्रष्टाचार का अर्थ है दूषित आचार या जो आचार बिगड़ गया हो। आज हमारे जीवन के हर क्षेत्र में भ्रष्टाचार व्याप्त है। आए दिन नेताओं के भ्रष्टाचार के समाचार आते रहते हैं। भ्रष्टाचार के आरोप में कितने नेता जेल काट रहे हैं। ये जनता के पैसे हड़प कर गए, पर इन्हें शर्म तक नहीं आती। आज हमारे देश में तेजी से भोगवादी

संस्कृति फैल रही है। लोगों में रातोरात धनवान बनने की लालसा जोर पकड़ रही है। चारों ओर धन बटोरने के लिए धोखाधड़ी, छल-कपट, किए जा रहे हैं। अपनी भौतिक समृद्धि बढ़ाने के लिए लोगों ने भ्रष्टाचार को शिष्टाचार बना लिया है। छोटे से छोटे काम के लिए लोगों को रिश्वत का सहारा लेना पड़ता है। शिक्षा का पवित्र क्षेत्र भी इससे अछूता नहीं रह गया है। लोगों में देशभक्ति और कर्तव्यनिष्ठा की भावना घटती जा रही है। भ्रष्टाचार राष्ट्रीय जीवन के लिए अभिशाप बन गया है। हमें आत्मनिरीक्षण करने की आवश्यकता है। भ्रष्टाचार एक कलंक है। इस कलंक को मिटाना जरूरी है। हम सबको इसके लिए निष्ठापूर्वक कार्य करने की जरूरत है।